

भारत ने छठी बार जीता सैफ महिला चैंपियनशिप खिताब, फाइनल में बांग्लादेश को 3-1 से हराया

एजेंसी। नई दिल्ली

भारत ने सैफ महिला चैंपियनशिप 2026 के फाइनल में बांग्लादेश को 3-1 से हराकर रिकॉर्ड छठी बार खिताब अपने नाम किया। सात साल बाद चैंपियन बनी भारतीय टीम ने पूरे टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन करते हुए सभी मैच जीते और 18 गोल दगे। भारतीय महिला फुटबॉल टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए सैफ महिला चैंपियनशिप 2026 का खिताब अपने नाम कर लिया। फाइनल मुकाबले में भारत ने मौजूदा चैंपियन बांग्लादेश को 3-1 से हराकर रिकॉर्ड छठी बार ट्रॉफी जीती। सात वर्षों के लंबे इंतजार के बाद भारत ने एक बार फिर दक्षिण एशिया की चैंपियन बनने का गौरव हासिल किया। भारत की ओर से प्यारी जाक्सा (42वां मिनट), सैनफिदा नोंगरुम (46वां मिनट) और लिंडा कोम सेटों (82वां मिनट) ने गोल किए। वहीं, बांग्लादेश के लिए एकमात्र गोल रिंतु पोरना चकमा ने दागा। मैच की शुरुआत से ही भारतीय



टीम ने गेंद पर नियंत्रण बनाए रखा और लगातार आक्रमण किए। कई मौकों के बाद 42वें मिनट में प्यारी जाक्सा ने शानदार गोल कर भारत को 1-0 की बढ़त दिलाई। हालांकि, पहले हाफ के अतिरिक्त समय में बांग्लादेश की रिंतु पोरना चकमा ने बेहतरीन गोल दागकर स्कोर 1-1 से बराबर कर दिया। यह पूरे टूर्नामेंट में भारत के खिलाफ हुआ पहला गोल था। दूसरे हाफ की शुरुआत होते ही भारत ने फिर बढ़त हासिल कर ली। 46वें मिनट में प्यारी जाक्सा के शानदार क्रॉस पर सैनफिदा नोंगरुम ने हेडर के जरिए गोल कर स्कोर 2-1 कर दिया। इसके बाद भारतीय टीम ने मैच पर पूरी तरह नियंत्रण बनाए रखा। 82वें मिनट में बांग्लादेश की रक्षापंक्ति की गलती का फायदा

उठाते हुए स्थानापन्न खिलाड़ी लिंडा कोम सेटों ने तीसरा गोल कर भारत की जीत सुनिश्चित कर दी। भारतीय टीम ने पूरे टूर्नामेंट में एक भी मैच नहीं गंवाया। टीम ने अपने अभियान की शुरुआत मालदीव पर 11-0 की बड़ी जीत से की थी जबकि ग्रुप चरण में बांग्लादेश को भी 3-0 से हराया था। भारत ने टूर्नामेंट में कुल 18 गोल किए और केवल एक गोल खाया, जो उसके शानदार प्रदर्शन को दर्शाता है। सात साल बाद फिर बना चैंपियन भारत ने सैफ महिला चैंपियनशिप का पिछला खिताब 2019 में जीता था। इसके बाद 2022 और 2024 में बांग्लादेश ने ट्रॉफी अपने नाम की थी। इस बार भारतीय टीम ने दमदार वापसी करते हुए खिताब पर कब्जा जमाया।

तेल के पैकटों के मनमाने साईज नहीं बेच पाएंगी कंपनियां, सरकार ने कसा शिकंजा

एजेंसी। नई दिल्ली

सरकार ने खाने के तेल की पैकेजिंग के नियमों को लेकर बड़ा फैसला लिया है। अब खाने के तेल 9 तय साइज की पैकेजिंग में ही आएंगे। केंद्र सरकार ने खाने के तेल की पैकेजिंग को लेकर नया नियम लागू करने का फैसला किया है। इसके तहत अब देश में बिकने वाले ज्यादातर खाने के तेल केवल 9 तय साइज के पैक में ही बेचे जाएंगे। सरकार का कहना है कि इस कदम से ग्राहकों को अलग-अलग ब्रांड के तेल की कीमतों की तुलना करने में आसानी होगी और बाजार में पारदर्शिता बढ़ेगी। उपभोक्ता मामलों के विभाग ने कानूनी माप विज्ञान नियमों में बदलाव किया है। यह नियम भारत में बनने वाले और विदेशों से आयात किए जाने वाले दोनों तरह के खाद्य तेलों पर लागू होगा। सरकार ने कुल 9 मानक पैक साइज तय किए हैं। अब खाने का तेल मुख्य रूप से इन पैक में मिलेगा- 200 मिलीलीटर, 500 मिलीलीटर, 1 लीटर, 2 लीटर, 3 लीटर, 4 लीटर, 5 लीटर, 15 लीटर, 20 लीटर। यह नियम देश में इस्तेमाल होने वाले लगभग सभी मुख्य तेल



पर लागू होगा। इनमें शामिल हैं: पाम ऑयल, सोयाबीन ऑयल, सनफ्लावर ऑयल, सरसों का तेल, मूंगफली का तेल, तिल का तेल, राइस ब्रान ऑयल, कॉटनसीड ऑयल, मक्का ऑयल। सरकार ने एक और महत्वपूर्ण बदलाव किया है। अब कंपनियों को तेल की मात्रा के साथ उसका वजन भी बताना होगा। उदाहरण के लिए, अगर पैक पर 1 लीटर तेल लिखा है तो उसके बराबर का वजन (किलोग्राम में) भी पैकेट पर दर्ज करना होगा। इससे ग्राहकों को उत्पाद की सही जानकारी मिल सकेगी। नए नियमों को लागू करने के लिए निर्माताओं, पैकर्स और आयातकों को 3 महीने का समय दिया गया है। इस दौरान कंपनियां अपनी पैकेजिंग और लेबलिंग में जरूरी बदलाव कर सकेंगी। हालांकि, जो कंपनियां चाहें, वे इन नियमों को पहले भी लागू कर सकती हैं। सरकार ने 200 मिलीलीटर से छोटे पैक और कुछ विशेष श्रेणी के छोटे खाद्य तेल उत्पादों को इस नियम से बाहर रखा है। इसका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि कम कीमत वाले छोटे पैक बाजार में उपलब्ध रहें और कम आय वाले उपभोक्ताओं को परेशानी न हो। सरकार का मानना ​​है कि एक जैसे पैक साइज होने से ग्राहकों को अलग-अलग ब्रांड के तेल की कीमतों की तुलना करना आसान होगा। इससे खरीदारी के समय भ्रम कम होगा और उपभोक्ता बेहतर फैसला ले सकेंगे।

मुल्लापुर क्रिकेट टैस्ट मैच में भारत ने 564 रनों पर की पारी घोषित

दो खिलाड़ियों के शतक, तीन ने लगाए अर्धशतक

समर न्यूज़। मोहाली

न्यू चंडीगढ़ के मुल्लापुर में खेले जा रहे भारत बनाम अफगानिस्तान टेस्ट मैच में भारत ने पहले खेलते हुए 564 रनों पर की पारी घोषित कर दी। मुल्लापुर में पहली बार टेस्ट क्रिकेट का आयोजन हो रहा है। रविवार को मैच के दूसरे दिन भारत ने 368/3 से आगे खेलना जारी रखा। 564/8 पर पहली पारी को भारत ने घोषित कर दिया। केपल राहुल और शुभमन गिल ने इस पारी में शतक जड़ा, जबकि साई सुदर्शन, ऋथभ पंत और वॉशिंगटन सुंदर ने अर्धशतक जड़े। अफगानिस्तान के लिए मोहम्मद सलीम सैफी ने 6 विकेट निकाले। पहले दिन के खेल के बाद भारत का स्कोर 368/3 था। एल राहुल शतक जड़कर आउट हो चुके हैं।



81 रन साई सुदर्शन ने बनाए थे, जबकि यशस्वी जायसवाल ने 24 रन बनाए थे। पहले दिन 85 ओवर का खेल हुआ था।

एजेंसी। जयपुर

दुनिया के कई देशों में इबोला के खतरा बढ़ता जा रहा है। अब तक इबोला के तीन संदिग्ध मामले सामने आए हैं, हालिया मामला राजस्थान से सामने आया है। दुर्लभ 'बुंडीबुन्यो वायरस स्ट्रेन' के कारण फैले इस संक्रमण में अब तक कांगो में 363 कन्फर्म मामले और 62 मौतें रिपोर्ट की गई हैं, साथ ही 100 से ज्यादा संदिग्ध मामलों की अभी जांच चल रही है। वहीं युगांडा में 15 कन्फर्म मामले जिनमें एक कन्फर्म मौत देखी गई है।

विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) की हालिया रिपोर्ट के मुताबिक संदिग्ध मामलों में कमी देखी जा रही है जबकि राष्ट्रीय स्तर पर जोखिम का आकलन अभी भी बहुत अधिक बना हुआ है। अफ्रीकी देशों के अलावा यूरोपीय और एशियाई देशों में भी संक्रमण का जोखिम देखा जा रहा है। भारत



में भी इबोला को लेकर अलर्ट जारी किया गया है, प्रभावित देशों से आ रहे यात्रियों की जांच कर उनमें लक्षण दिखते ही आइसोलेट किया जा रहा है। ■ जयपुर में सामने आया संदिग्ध मामला राजस्थान के जयपुर में इबोला

वायरस संक्रमण का एक संदिग्ध मामला सामने आया है, इसके बाद से स्वास्थ्य विभाग सतर्क हो गया है। युगांडा की 19 वर्षीय महिला पर्यटक में इबोला जैसे लक्षण दिखाने के बाद उसे जयपुर के आरयूएचएस अस्पताल में विशेष आइसोलेशन वार्ड में भर्ती कराया गया है। हालांकि अभी तक इबोला संक्रमण की पुष्टि नहीं हुई है और जांच रिपोर्ट का इंतजार किया जा रहा है। युवती शुक्रवार सुबह शारजाह होते हुए जयपुर पहुंची थी। आरयूएचएस अस्पताल के अधीक्षक डॉ. अनिल गुप्ता ने बताया कि मरीज में कुछ ऐसे

लक्षण पाए गए हैं जो इबोला संक्रमण से मेल खाते हैं, लेकिन फिलहाल संक्रमण की पुष्टि नहीं हुई है। अंतिम निष्कर्ष जांच रिपोर्ट आने के बाद ही सामने आएगा। डॉक्टरों की टीम मरीज पर लगातार नजर बनाए हुए है। ■ हैदराबाद में संक्रमण का मामला गुरुवाक्री सुबह हैदराबाद के राजीव गांधी इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर पहुंचे सूडान के एक नागरिक को आइसोलेट करके सिकंदराबाद के गांधी अस्पताल भेज दिया गया था। एयरपोर्ट के हेल्थ अधिकारियों ने इंटरनेशनल यात्रियों की थर्मल स्क्रीनिंग के दौरान उनमें बुखार के लक्षण पाए थे। शुक्रवार सुबह उसका बुखार ठीक था और फिलहाल उसे घर में आइसोलेट रहने की सलाह दी गई है। इससे पहले बंगलूरु और गुजरात में संदिग्धों की खबर सामने आई थी।

सिर्फ खेलना नहीं है, 10 से 20 साल तक दबदबा बनाए रखना है: वैभव सूर्यवंशी

एजेंसी। नई दिल्ली

आईपीएल 2026 में धमाकेदार प्रदर्शन का इनाम वैभव सूर्यवंशी को मिल गया है। 15 वर्षीय बल्लेबाज को आयरलैंड-इंग्लैंड और एशियन गेम्स 2026 के लिए भारतीय टीम में चुना गया है। वैभव का कहना है कि वह सिर्फ खेलना नहीं चाहते हैं, बल्कि अगले 10 से 20 साल तक अपने खेल से दबदबा बनाए रखना चाहते हैं। राजस्थान रॉयल्स द्वारा सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर वैभव का एक इंटरव्यू शेयर किया गया है। इस इंटरव्यू में बात करते हुए वैभव ने बताया कि वह



ऐसा क्रिकेट खेलना चाहते हैं, जिसे देखकर लोग बाद में यह कहें कि एक बल्लेबाज अकेले दम पर मैच जीता देता था। उन्होंने कहा, 'मैंने सोचा है कि मैं 20 साल या जब तक भी क्रिकेट खेलूं और किसी भी

टीम की तरफ से खेलूं, तो ऐसा खेलूं कि लोग मैच देखें या फिर बाद में सोचें तो यह कहें कि एक खिलाड़ी अकेले मैच खत्म कर देता था। वो दबदबा दिखना चाहिए, जिसके लिए मैं कड़ी मेहनत कर रहा हूँ।" 15 वर्षीय बल्लेबाज ने आगे कहा, "ऐसा नहीं खेलना है कि खेला और बस मैच खत्म हो गया। ऐसा खेलना है कि अगले 10 से 20 साल तक दबदबा बनाए रखना है और अच्छा क्रिकेट खेलना है। मैंने क्रिकेट खेलना शुरू किया था, क्योंकि मुझे आनंद आता था और मैं इस खेल को खेलते हुए पूरी जिंदगी आनंद लेना चाहता हूँ।" वैभव के पास अब इंटरनेशनल

स्टेज पर अपनी काबिलियत साबित करने का सुनहरा मौका होगा। टीम इंडिया के मुख्य सिलेक्टर अजीत अगरकर ने भी माना कि वैभव ने अपने प्रदर्शन के बूते सिलेक्शन कमिटी को उन्हें टीम में शामिल करने पर मजबूर किया। आईपीएल 2026 वैभव के लिए गजब का रहा। राजस्थान रॉयल्स की ओर से खेलते हुए वैभव ने 16 पारियों में 237 के स्ट्राइक रेट से 776 रन बनाए और ऑरेंज कैप को अपने नाम किया। वैभव ऑरेंज कैप जीतने वाले सबसे युवा खिलाड़ी बने। उन्होंने टूर्नामेंट में कुल 72 छक्के लगाए और क्रिस गेल का रिकॉर्ड ध्वस्त किया।

टीबी मरीजों के लिए जरूरी है पौष्टिक भोजन

उपचार के दौरान थाली में रखें ये चीजें, रिकवरी होगी तेज

एजेंसी। नई दिल्ली

टीबी (क्षय रोग) आज भी देश में एक स्वास्थ्य समस्या है। उपचार के दौरान दवाओं के साथ-साथ संतुलित और पोषण युक्त आहार का विशेष महत्व है। हेल्थ एक्सपर्ट्स के अनुसार, पौष्टिक भोजन मरीज के शरीर को जरूरी ऊर्जा और ताकत प्रदान करता है, रोग से लड़ने की क्षमता बढ़ाता है और जल्दी स्वस्थ होने में मदद करता है। नेशनल हेल्थ मिशन (एनएचएम) के अनुसार, टीबी के इलाज के दौरान मरीज का शरीर काफी कमजोर हो जाता है। ऐसे में पौष्टिक आहार शरीर को ताकत देता है, रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाता है और संक्रमण से बचाव में सहायक होता है। हेल्थ एक्सपर्ट्स का कहना है कि दवाओं के साथ सही खानपान अपनाने से रिकवरी तेज होती है और इलाज का असर भी बेहतर आता है। पौष्टिक आहार टीबी मरीज को न सिर्फ शारीरिक रूप से बल्कि मानसिक रूप से भी मजबूत बनाता है। मरीजों की थाली में अनाज और मिलेट्स, दालें और प्रोटीन, फल और सब्जियां (विशेषकर मौसमी) आदि को जरूर शामिल करें। अनाज और

मिलेट्स:- मक्का, चावल, ज्वार, बाजरा और गेहूं जैसे अनाज ऊर्जा का मुख्य स्रोत हैं। ये शरीर को लंबे समय तक ऊर्जा देते हैं। दालें और प्रोटीन:- मटर, बीन्स, मसूर, चना, राजमा और अन्य दालें प्रोटीन से भरपूर होती हैं। ये मांसपेशियों को मजबूत बनाती हैं और शरीर की मरम्मत में मदद करती हैं। फल और सब्जियां:- मौसमी फल और हरी सब्जियां विटामिन, मिनरल्स और फाइबर प्रदान करती हैं, जो इम्युनिटी बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

मिलेट्स:- मक्का, चावल, ज्वार, बाजरा और गेहूं जैसे अनाज ऊर्जा का मुख्य स्रोत हैं। ये शरीर को लंबे समय तक ऊर्जा देते हैं। दालें और प्रोटीन:- मटर, बीन्स, मसूर, चना, राजमा और अन्य दालें प्रोटीन से भरपूर होती हैं। ये मांसपेशियों को मजबूत बनाती हैं और शरीर की मरम्मत में मदद करती हैं। फल और सब्जियां:- मौसमी फल और हरी सब्जियां विटामिन, मिनरल्स और फाइबर प्रदान करती हैं, जो इम्युनिटी बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

वैभव सूर्यवंशी: आईपीएल के बाद अब टीम

इंडिया में इतिहास रचने को तैयार 'बिहार बुलेट'

एजेंसी। नई दिल्ली

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने आयरलैंड और इंग्लैंड के खिलाफ टी20 सीरीज के साथ एशियन गेम्स 2026 के लिए भारतीय टीम का ऐलान कर दिया है। इन तीनों ही टीमों में 15 वर्षीय वैभव सूर्यवंशी को मौका दिया गया है। बिहार के समस्तीपुर जिले के ताजपुर गांव में 27 मार्च 2011 को जन्मे वैभव फिलहाल 15 साल 71 दिन के हैं। भारत की प्लेइंग इलेवन में शामिल होते ही उनके पास अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सीनियर टीम की ओर से खेलने वाले सबसे युवा भारतीय क्रिकेटर बनने का मौका होगा। महिलाओं में शेफाली वर्मा (15 साल और 239 दिन) के नाम यह रिकॉर्ड है। भारतीय पुरुष क्रिकेटरस में यह रिकॉर्ड इस समय सचिन तेंदुलकर के नाम है, जिन्होंने 16 साल 206 दिन की उम्र में अपना अंतरराष्ट्रीय डेब्यू किया था। टीम

इंडिया ने 26 जून को आयरलैंड के विरुद्ध पहला टी20 मैच खेलना है, अगर वैभव को इस सीरीज में डेब्यू का मौका मिलता है, तो वह इतिहास रच देंगे। वैभव सूर्यवंशी इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 में सर्वाधिक रन बनाने वाले खिलाड़ी रहे थे। वैभव ने इस सीजन 16 मुकाबलों में 48.50 की औसत के साथ 776 रन बनाए, जिसमें 2 शतक और 6 अर्धशतक शामिल रहे। वह आईपीएल सीजन में सर्वाधिक 72 छक्के लगाने वाले खिलाड़ी बने। इसके साथ ही अनकैड खिलाड़ी के तौर पर सीजन में सबसे ज्यादा रन बनाने का रिकॉर्ड भी अपने नाम किया। आईपीएल 2026 में शानदार प्रदर्शन के लिए वैभव को एक ही सीजन में 5 अवॉर्ड 'इमर्जिंग प्लेयर ऑफ द सीजन', 'मोस्ट वैल्यूएबल प्लेयर', 'सुपर स्ट्राइकर ऑफ द सीजन' और 'ऑरेंज कैप' मिले।

बदलाव नारी शिक्षा का मतलब औरतों को ज्ञान, जागरूकता और शिक्षा प्रदान करना है ताकि औरत अपने अधिकारों और कर्तव्यों को समझ सके

भारतीय समाज में शिक्षित नारी का बढ़ता महत्व

समर न्यूज़। चंडीगढ़

भूमिका और प्राचीन स्थिति: भारत एक प्राचीन और महान सांस्कृतिक विविधताओं वाला देश है। यहाँ नारी को हमेशा ही सम्मान की निगाह से देखा गया है। विद्वान कहते हैं कि जहाँ औरत लक्ष्मी का रूप है और जहाँ औरत की पूजा होती है, वहाँ देवता वास करते हैं; यह शब्द नारी के महत्व को दर्शाते हैं। भारतीय समाज में एक ऐसा समय भी आया जब औरतों को शिक्षा से दूर रखा जाता था। उन्हें सिर्फ घर की चारदीवारी तक ही सीमित कर दिया गया था। आधुनिक युग में बदलाव: लेकिन आधुनिक युग में औरतों को शिक्षा की आवश्यकता को समझा गया है। आज के भारत में महिला शिक्षा के क्षेत्र में काफी तरक्की हो रही है। शिक्षा हर मनुष्य के जीवन का आधार है। शिक्षा के बिना विकास की कल्पना भी नहीं की जा सकती। नारी शिक्षा का मतलब औरतों को ज्ञान, जागरूकता और शिक्षा प्रदान करना है ताकि औरत अपने अधिकारों और कर्तव्यों को समझ सके। पुरुष की शिक्षा के मुकाबले यदि एक औरत शिक्षा प्राप्त करती है, तो पूरा परिवार शिक्षित हो जाता है। इस कारण समाज की तरक्की के लिए नारी की शिक्षा जरूरी है। ऐतिहासिक पतन और आज के प्रयास: पुराने समय में भारतीय औरतों को शिक्षा का अधिकार प्राप्त था। लेकिन समय के साथ-साथ समाज में कई कुरीतियाँ फैल गईं जैसे बाल विवाह, पर्दा प्रथा और नारी के प्रति गलत सोच, जिसके कारण नारी शिक्षा पिछड़ गई। आजादी के बाद भारत सरकार द्वारा नारी शिक्षा के प्रसार के लिए बहुत प्रयास किए गए हैं। सरकार द्वारा मुफ्त और अनिवार्य शिक्षा की व्यवस्था की गई है। लड़कियों के लिए वजीफा (स्कॉलरशिप), किताबें, वर्डियाँ (यूनिफॉर्म), मिड-डे मील और अन्य जरूरी सुविधाएँ दी गई हैं। 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' के नारे के तहत लोगों में जागरूकता पैदा की गई है। वर्तमान समय में बहुत सी लड़कियाँ स्कूलों, कॉलेजों और विश्वविद्यालयों में उच्च शिक्षा ले रही हैं। महिला शिक्षा के लाभ और उपलब्धियाँ: नारी शिक्षा बहुत लाभदायक है; एक शिक्षित

औरत अपने परिवार की अच्छी तरह देखभाल कर सकती है। वह अपने परिवार और बच्चों को अच्छे संस्कार और शिक्षा देती है। नारी अपने अधिकारों और कर्तव्यों को अच्छी तरह समझती है और वह सामाजिक बुराइयों का विरोध कर सकती है। नारी शिक्षा द्वारा बाल विवाह, दहेज प्रथा और अनपढ़ता जैसी समस्याएँ कम हुई हैं। आज की भारतीय औरतें हर क्षेत्र में आगे बढ़ रही हैं। शिक्षा के दम पर वे डॉक्टर, इंजीनियर, शिक्षक, वैज्ञानिक, जज और उच्च अधिकारी बन रही हैं। कई भारतीय औरतों ने राजनीति, खेल और विज्ञान के क्षेत्र में विशेष तौर पर भारत का नाम रोशन किया है। कल्पना चावला,

किरण बेदी और मैरी कॉम जैसी महान औरतें इसका उदाहरण हैं। औरतें नौकरियाँ करके देश की आर्थिक तरक्की में भी योगदान दे रही हैं, जिससे आधुनिक औरतों की स्थिति काफी मजबूत हुई है। वर्तमान चुनौतियाँ: भले ही देश में नारी शिक्षा के क्षेत्र में काफी ज्यादा तरक्की हुई है, लेकिन अभी भी देश के ग्रामीण क्षेत्रों में नारियों की शिक्षा को महत्व नहीं दिया जाता। गरीबी के कारण कई माता-पिता अपनी लड़कियों को स्कूल नहीं भेजते। कुछ जगहों पर सुरक्षा की कमी के कारण और सामाजिक बाधाओं के कारण भी नारी शिक्षा पिछड़ रही है। सुझाव और समाधान: इन समस्याओं को दूर करने के लिए सरकार और समाज को मिलकर प्रयास करने चाहिए। हर गाँव और शहर में लड़कियों के लिए अच्छे स्कूल और कॉलेज खोले जाने चाहिए। गरीब परिवारों को आर्थिक सहायता देनी चाहिए। माता-पिता को लड़कियों को पढ़ाने के लिए प्रेरित करना चाहिए और समाज में लड़के-लड़की का भेदभाव समाप्त करना चाहिए। नारी

शिक्षा में शिक्षकों की विशेष भूमिका होती है; वे विद्यार्थियों में समानता और नारी के प्रति सम्मान की भावना पैदा कर सकते हैं। सोशल मीडिया के माध्यम से भी बेटियों की शिक्षा के प्रति जागरूकता में योगदान दिया जा सकता है। निष्कर्ष: नारी शिक्षा पूरे समाज के लिए लाभदायक है; एक शिक्षित नारी एक अच्छी माँ, अच्छी पत्नी और अच्छी नागरिक बन सकती है। वह अपने परिवार और समाज को तरक्की की ओर ले जा सकती है। भारत में नारी शिक्षा की बहुत आवश्यकता है। नारी शिक्षा के बिना नारी का पूर्ण विकास संभव नहीं है। यदि हम अपने देश को तरक्की के रास्ते पर ले जाना चाहते हैं, तो हमें हर बेटी को शिक्षित करना होगा। नारी शिक्षा से ही समाज को मजबूत, जागरूक और खुशहाल किया जा सकता है। इसलिए पूरे समाज को मिलकर प्रयास करना चाहिए ताकि देश की हर बेटी पढ़-लिखकर अपने हसीन सपने पूरे कर सके। *लेखक: *जगतार सिंह, ई.टी.टी. शिक्षक

शिक्षा में शिक्षकों की विशेष भूमिका होती है; वे विद्यार्थियों में समानता और नारी के प्रति सम्मान की भावना पैदा कर सकते हैं। सोशल मीडिया के माध्यम से भी बेटियों की शिक्षा के प्रति जागरूकता में योगदान दिया जा सकता है। निष्कर्ष: नारी शिक्षा पूरे समाज के लिए लाभदायक है; एक शिक्षित नारी एक अच्छी माँ, अच्छी पत्नी और अच्छी नागरिक बन सकती है। वह अपने परिवार और समाज को तरक्की की ओर ले जा सकती है। भारत में नारी शिक्षा की बहुत आवश्यकता है। नारी शिक्षा के बिना नारी का पूर्ण विकास संभव नहीं है। यदि हम अपने देश को तरक्की के रास्ते पर ले जाना चाहते हैं, तो हमें हर बेटी को शिक्षित करना होगा। नारी शिक्षा से ही समाज को मजबूत, जागरूक और खुशहाल किया जा सकता है। इसलिए पूरे समाज को मिलकर प्रयास करना चाहिए ताकि देश की हर बेटी पढ़-लिखकर अपने हसीन सपने पूरे कर सके। *लेखक: *जगतार सिंह, ई.टी.टी. शिक्षक